बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि १५ मार्च, १९६१।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि १५ मार्च, १९६१ को पूर्वाह्न ८½ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर

Short notice Questions and Answers.

REDUCTION IN PRICE OF FIREWOOD AND JHANTI.

26. Shri SHYAM CHARAN MURMU and Shri HARI CHARAN SOY : Will the Minister incharge of the Revenue (Forest) Department, be pleased to state whether it is a fact that in Chakulia Range of Dhalbhum Forest Division in the district of Singhum the local sale prices of Firewood and Jhanti, as given below, are highest in the Division local consumers are finding it difficult to purchase the same:—

Buffalo Cart—Rs. 5.50 nP. ;

Bullock Cart—Rs. 4.50 nP. ;

Bahngi—Rs. 0.37 nP. ;

If so, do Government propose to reduce them for all the forest ranges to such lower rates as prevailing in Galudih, Mosaboni, Mango, Chandil and Rakhamines Range of the same Division ; if not why ?

*श्री चन्द्रिका राम— उत्तर स्वीकारात्मक है। गालूडीह, मुसाबनी, मानगो, चांडिल तथा राखामाइन्स रेन्ज की तरह चकुलिया रेन्ज में जलाने तथा छांटी लकड़ियों पर कमी करने का प्रश्न नहीं उठता, क्योंकि चकुलिया रेन्ज में समतरा अंचल से यहां लोग भैंसागाड़ी, बैलगाड़ी और बहंगी द्वारा स्थानीय कूपों से तीन चार खेप लकड़ी ढोलाई कर सकते हैं, जबकि गालूडीह वगैरह रेन्जों में पहाड़ी जंगल हैं, जिनके फलस्वरूप कूपों से लकड़ी ढोकर लाने में बड़ी कठिनाई होती है तथा भैंसागाड़ी या बहंगी द्वारा एक खेप भी लकड़ी लाने में दो-तीन दिन समय लग जाता है।

*श्री श्यामचरण मुर्मु—क्या यह बात सही है कि गालूडीह, मानगो और चांडील वगैरह रेन्ज के जो जंगल हैं उससे जलावन की लकड़ी नहीं ले जा सकते हैं ?

श्री सुपाई मुर्मु—कितने इन्सपेक्टर आदिवासियों की भाषा को जानते हैं ?

अध्यक्ष—आपके सवाल से यह सवाल नहीं उठता है तो कैसे और कहां से जवाब मिलेगा ? यह नहीं उठता है ।

तारांकित प्रश्न संख्या १०८८, १०८९, १०९०, १०९१, १०९२, १०९३, १०९४ तथा १०९५ के सम्बन्ध में ।

श्री अबुल अहद मुहम्मद नूर—इन प्रश्नों का जवाब तैयार नहीं है चूंकि ये सवाल हमारे विभाग में २८ फरवरी को पहुंचे उसके बाद होली आदि के कारण ऑफिस बन्द हो गया था ।

SALE OF PACHWAI OUTSIDE PACHWAI CENTRE.

1096. Shri BABULAL MARANDI : Will the Minister incharge of the Excise Department be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Pachwai (Haria) are sold almost at every village surrounding the Pachwai shop of Pialsola, P.S. Jamtara, district Santhal Parganas ;

(2) whether it is a fact there is no provision in Excise Manual to sell Pachwai outside the Pachwai Centre ;

(3) if answers to the above clauses be in the affirmative, what steps Government propose to take against the Pachwai Shopkeeper and Supervising Staff of the area ; if not why ?

श्री चन्द्रिका राम—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) खंड १ के उत्तर को देखते हुए इस खंड का उत्तर देने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

श्री बाबूलाल मरान्डी—एक्साइज मैनुअल में प्रोवीजन है कि चुपके से चुलाकर लोग शराब नहीं बेच सकते हैं फिर भी वहां आसपास के गांवों में शराब चुलाया जा रहा है और बेचा जा रहा है, इसके लिए सरकार क्या कर रही है ?

श्री चन्द्रिका राम—इनफौरमेशन के अनुसार हमने इन्क्वायरी करवायी लेकिन कहीं कोई न तो शराब चुलाता हुआ पाया गया और न कोई शराब चुलने का सामान ही मिला, इसलिए मैंने उत्तर अस्वीकारात्मक कहा ।

श्री बाबूलाल मरान्डी—मैं परसनली जानता हूं कि मिहिजाम और सीलीगुड़ी के आसपास के गांवों में चालीस पचास घरों में शराब चुलायी जाती है और खुले आम बेची जाती है। एक्साइज डिपार्टमेंट के सब-इन्सपेक्टर और इन्सपेक्टर को भी वे अपने अधिकार में रखते हैं, इसलिए वे लोग ऐसी रिपोर्ट दे देते हैं कि ऐसी बात नहीं है।

श्री चन्द्रिका राम—डिटेल लिख कर दे दें तो मैं फिर इनक्वायरी कराऊंगा और किसी के घर ऐसा पाया जायगा तो चाहे हमारे अफसर हों या कोई हों दंडित किए जायेंगे। आप डिटेल लिख कर दे दें कि किस गांव में कौन आदमी ऐसा काम करता है।

श्री बाबूलाल मरान्डी—सिउली बाड़ी में अनोखी माली और.....

अध्यक्ष—आपको जो मालूम है वह सब लिखकर उन्हें दे दें।

श्री हरिचरण सोय—इनक्वायरी किसके द्वारा करायी गयी ?

अध्यक्ष—उनका सवाल हुआ कि इनक्वायरी ठीक नहीं है। इस पर उप-मंत्री ने कहा कि इनक्वायरी करेंगे तो फिर क्या आवश्यकता है इस सवाल की।

सदन में प्रश्नों के पूछे जाने के सम्बन्ध में।

*श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, मुझे एक निवेदन करना है कि प्रायः ऐसा देखा जाता है कि बहुत से प्रश्नों के उत्तर तैयार नहीं रहते हैं।

अध्यक्ष—जितना समय रहेगा, उतना ही में न ? अब तो प्रश्नोत्तर का समय खतम हो गया।

श्री कर्पूरी ठाकुर—हां, अब तो समय खतम हो गया। लेकिन मेरे कहने का मतलब यह है कि प्रश्नोत्तर के समय में ही बहुत से प्रश्नों के उत्तर के सम्बन्ध में कहा जाता है कि तैयार नहीं है। इसलिये मेरा निवेदन है कि जिन-जिन प्रश्नों का उत्तर तैयार नहीं हो, उनकी एक लिस्ट बनाकर मंत्री महोदय, पहले ही सचिव को दे दें जिससे कि आप भी उन प्रश्नों में मार्क लगा लें और आपका उस प्रश्न को पुकारना नहीं पड़े। इससे सदन के समय की बचत होगी और जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार नहीं हों वे फिर दुबारे लिस्ट पर आवें।

अध्यक्ष—चाहे सदस्य अनुपस्थित ही क्यों न हों ?